M.A. - I (Pali & Prakrit) (CBCS Pattern) Sem-I

MAPPCBCS101 - Suttapitak Sahitya Ani Vyakaran

सुत्तपिटक साहित्य आणि व्याकरण

P. Pages : 4 **GUG/W/22/10266**

Time : Three Hours * 1 5 2 7 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) 'बुध्दवचन संकलन' सांगून बौध्द धमाचे संस्थापक गौतमबुध्दा विषयी लिहा. **10**
'बुध्दवचन संकलन' बतलाकर बौध्द धर्मके संस्थापक गौतम बुध्द के संबंध में लिखिए।

किंवा / अथवा

पालि साहित्याचा विकास कसा झाला ते सांगा
पालि साहित्य का विकास कैसे हुआ वह बताईए।

ब) ततिय धम्म संगीती सविस्तर सांगा. **6**
ततिय धम्म संगीती विस्तार पूर्वक बताईए।

किंवा / अथवा

पालि साहित्याचे वर्गीकरण लिहा.
पालि साहित्य का वर्गीकरण लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

1) अत्तानं चे पिय जञ्ञा रक्खेय्य तं सुरक्खितं।
तिण्णमञ्ञतरं यामं पटिजग्गेय्य पण्डितो॥
2) अत्तानं एव पठमं पटिरुपे निसेवये।
अथञ्ञमनुसासेय्य न किलिस्सेय्य पण्डितो॥
3) अत्तानञ्चे तथा कयिरा यथञ्ञमनुसासति।
सुदन्तो वत दम्मेय अत्ता हि किर दुद्दसो॥
4) अत्ता हि अत्तनो नाथो को हि नाथो पियो सिया।
अत्तनाव सुदन्तेन नाथं लभति दुल्लभं॥

किंवा / अथवा

1) पेमतो जायते सोको पेमतो जायते भयं।
पेमतो विप्पमुत्तस्स नत्थि सोको कुतो भयं॥
2) रत्तिया जायते सोको रतिया जायते भयं।
रत्तिया विप्पमुत्तस्स नत्थि सोको कुतो भयं॥
3) कामतो जायते सोको कामतो जायते भयं।
कामतो विप्पमुत्तस्स नत्थि सोको कुतो भयं॥
4) तण्हाय जायते सोको तण्हाय जायते भयं।
तण्हाय विप्पमुत्तस्स नत्थि सोको कुतो भयं॥

ब) बालवग्गाचा सारांश लिहा. **6**

बालवग्ग का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

अरहंत वग्गाचा सारांश लिहा.

अरहंत वग्ग का सार लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

1) इति हेतं विजानाम, चतुत्थो सो पराभवो।
पञ्चमं भगवा ब्रूहि, किं पराभवो मुखं॥

2) यो ब्राम्हणं वा समणं वा, अञ्ञवापि व निब्बकं।
मुसावादेन वञ्चेति, तं पराभवतो मुखं॥

3) इति हेतं विजानाम, पञ्चमो सो पराभवो।
छट्ठमं भगवा ब्रूहि, किं पराभवो मुखं॥

4) पहूतथित्तो पुरिसो समारञ्ञो सभोजनो।
एकोभुञ्जाति साहुनि, तं पराभवतो मुखं॥

किंवा / अथवा

1) यो कत्वा पापकं कम्मं, मा मं जय्यांति इच्छति।
यो पटिच्छेन्न कम्मन्तो तं जञ्ञा वसलो इति॥

2) यो वे परकुलं गन्त्वा, भुत्वान सुचिभोजनं।
आगतं न पटिपूजति, तं जञ्ञा वसलो इति॥

3) यो ब्राह्मण वा समणं वा, अञ्ञं वापि व निब्बकं।
मुसावादेन वञ्चेति, तं जञ्ञा वसलो इति।

4) यो ब्राह्मण वा समणं वा, भत्तकाले उपड्ठति।
रोसेति वाचा न च देति, तं जञ्ञा वसलो इति॥

ब) धनियसुत्तांचा सारांश लिहा. **6**

धनियसुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

कसिय भारव्दाज सुत्तांचा सारांश लिहा.

कसिय भारव्दाज सुत्त का सार लिखिए।

4. अ) पालि मुळाक्षरे सांगून मोग्गल्लायव्याकरणानुसार वर्णमाला लिहा. **10**

पालि मुळाक्षरे बतलाकर मोग्गल्लायन व्याकरण के अनुसार वर्णमाला लिखिए।

किंवा / अथवा

स्वरांची व्याख्या सांगून स्वर परिवर्तनाचे नियम सांगा.

स्वर की व्याख्या बतलाकर स्वरपरिवर्तन का नियम बताईए।

ब) पालित व्यंजने किती ते सविस्तर लिहा. **6**

पालि में व्यजन कितने वह विस्तार से लिखिए।

किंवा / अथवा

'विशेष' ची व्याख्या सांगून उदाहरण लिहा.
विशेष की व्याख्या बताकर उदाहरण लिखिए।

5. अ) टिपा लिहा **कोणतेही दोन**. **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो**।

1) धम्मपद
2) बालवग्ग
3) सुत्तनिपात
4) मेत्तसुत्तं

ब) पर्यायी उत्तरे लिहा. **10**
पर्यायी उत्तर लिखिए।

1) प्रथम धम्म संगिती कूठे झाली.
प्रथम धम्म संगिती कहाँ हूई।
अ) राजगृह ब) श्रावस्ती
क) कौसंबी ड) वैशाली

2) बुध्दाचा पहिला वर्षावास कूठे झाला.
बुध्द का पहिला वर्षावास कहाँ हुआ।
अ) कपिलवस्तु ब) सारनाथ
क) उरुवेला ड) वैशाली

3) दुसरी धम्म संगिती कूठे झाली.
दुसरी धम्मसंगिती कहाँ हूई।
अ) वैशाली ब) श्रावस्ती
क) अवंती ड) कंबोज

4) अनाथपिण्डिकाचे मूळ नाव
अनाथपिण्डिका मूल नाम
अ) सुदत्त ब) देवदत्त
क) सुमित्र ड) बुध्ददत्त

5) धम्मपद कोणत्या निकायात येते.
धम्मपद किस निकाय में आता है।
अ) खुद्दकनिकाय ब) अंगुत्तरनिकाय
क) अंयुत्तनिकाय ड) उदान

6) सुत्तपिटकाचे किती निकायात विभाजन होते.
सुत्तपिटकका कितने निकाय में विभाजन होता है।
अ) 04 ब) 05
क) 06 ड) 07

7) "अत्त" शब्दाचा अर्थ सांगा.
"अत्त" शब्द का अर्थ बताईए।
अ) आप ब) आत्मा
क) स्वत: ड) आता

8) बाल शब्दाचा अर्थ सांगा.
बाल शब्द का अर्थ बताईए।

अ) मुर्ख ब) पंडित
क) विद्वान ड) चतूर

9) सुत्तनिपातांचे किती वग्गात विभाजन होते
सुत्तनिपात का कितने वग्ग में विभाजन होता है।

अ) 04 ब) 05
क) 06 ड) 08

10) सुत्तनिपात कोणत्या निकायात येते.
सुत्तनिपात किस निकाय में आता है।

अ) संयुक्तनिकाय ब) अंगुत्तरनिकाय
क) दीघनिकाय ड) खुद्दकनिकाय

****